RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

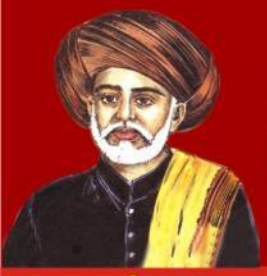

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

• वर्ष : 11 • • अंक 141 • • मार्च, 2017 • • मूल्य : 20/- •

रंगों के त्यौहार होली एवं भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल एकम युगाब्द 5119 विक्रम संवत 2074 की

आप सभी को हार्दिक बधाई

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

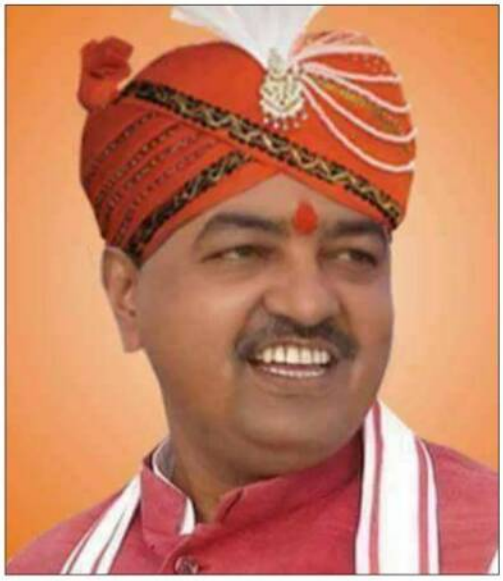

कैशव प्रसाद मौर्य

के उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री
एवं लोक निर्माण विभाग के
केबिनेट मंत्री बननें पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

स्वामी प्रसाद मोर्य

डॉ. धर्मेन्द्र सैनी

के केबिनेट मंत्री बननें पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

साथ ही समाज के नव निर्वाचित सभी नवनिर्वाचित विधायकों को हार्दिक मंगल कामनायें :

1. स्वामी प्रसाद मौर्य, पडरौना 2. विनय शाक्य, बिधूना 3. सुशील शाक्य, अमृतपुर 4. धर्मेन्द्र शाक्य, शेखूपुर 5. ममतेश शाक्य, पटियाली 6. विक्रमाजीत मौर्य, फाफामऊ 7. अनिल कुमार मौर्य, घोरावल 8. सुष्मिता मौर्य, मझवां 9. बहोरन लाल मौर्य, भोजीपुरा 10. रामरतन कुशवाहा, ललितपुर 11. गंगा सिंह कुशवाहा, फाजिलपुर 12. चन्द्रपाल कुशवाहा, बबेरू 13. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, आगरा ग्रामीण 14. संगीता यादव कुशवाहा, चौरी चौरा 15. डॉ. धर्म सिंह सैनी, नकुड 16. विक्रम सिंह सैनी, खतोली 17. कमलेश सैनी, चांदपुर 18. नरेश सैनी, बेहट।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

● वर्ष :11 ● ● अंक 141 ● ● 30 मार्च, 2017 ● ● मूल्य : 20/- प्रति

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन,
नगर निगम, जोधपुर)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला - उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

समाज मजबूती में सहायक हैं ऐसे आयोजन : चौधरी

समाज उपाध्यक्ष एवं समाज की चाय की थड़ी लगाने वाले युवा ने पेश की मिशाल

- सम्पादकीय
- समाज मजबूती में सहायक हैं ऐसे आयोजन : चौधरी
- बस्सी में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में
- अजमेर सामूहिक विवाह में 30 जोड़ों ने शुरू की नई जिदंगी
- उज्जैन में दसवां सामूहिक विवाह कार्यक्रम हर्षोल्लास से सम्पन्न
- कतृज्ञ समाज ने माता सावित्री बाई फूले को किया नमन
- गो-सेवा से बढ़ कर कोई सेवा नही-स्वामी चेतनगिरी जी महाराज
- राव की गेर में उमड़ा माली समाज, गेरियों की मनुहार
- भारतीय नववर्ष के आगमन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम
- डॉ. दीपक सैनी ने अमेरिका बढ़ाया मरूधरा का मान
- चाय की दुकान पर काम करने वाले समाज के युवा का
- राष्ट्रपति के नव प्रवर्तन कार्यक्रम के लिए हुआ चयन
- समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाएगें सामूहिक विवाह
- समाज की विधवा महिला की मदद को आगे आयें
- कई संगठन एवं समाज के प्रमुख दानदाता एवं
- समाजसेवी
- समाज गौरव युवा वैज्ञानिक नरेन्द्र सैनी का भाभा रिसर्च इंस्टीट्यूट चयन ऑल
- इंडिया लेवल पर 7वीं रैंक' प्राप्त कर युवा वैज्ञानिक ने किया गौरवान्वित
- धर्मयुग से तर्कयुग के युग पुरूष
- महात्मा ज्योति बा फुले

समाज का इतिहास....

(समाज के सभी वर्गो के निवेदन पर माली समाज के इतिहास की संपूर्ण जानकारी - पार्ट 2)

राजवंश-

आर्यों के क्षत्रिय वर्ण में सूर्य नामक एक पुरूष हुआ जिसके वंशज सूर्यवंशी कहलाये। उन्होंने अपना संश-चिह्न गगनमंडल को प्रकाशित करने वाले सूर्य को बना लिया। प्राचीन काल में सूर्यवंशियों के अयोध्या, विदेह और वैशाली आदि राज्य थे। इस वंश की आगे चलकर अनेक शाखा- उपशाखाएँ बन गई लेकिन वे सूर्यवंशी ही कहलाये यथा काकुत्सथ वंश, रघुवंश आदि।

ब्रह्माजी के एक पुत्र अर्थात् आदिकालीन ऋषि के वंशज सोम की संतति सोमवंशी (चन्द्रवंशी) कहलाई। इस वंश के छठे राजा ययाति के पुत्र राजा यदु के वंशज यदुवंशी कहलाए और यदुवंश की उनचालीसवी पीढ़ी में श्रीकृष्ण हुए। सोम अर्थात् चन्द्र का पुत्र बुध कहलाता था। उसकी पत्नी इला से पुरूरवा उत्पन्न हुआ। पुरूरवा की राजधानी प्रयाग के पास प्रतिष्ठानपुर (पौहन गांव) थी। इसके वंशज चन्द्रवंशी क्षत्रिय कहलाए। इसी वंश में ययाति और काश आदि हुए। काश ने काशी नगरी बसाई थी। ययाति के पांच पुत्र हुए- यदु, द्रुहय, तुर्वासु, अनु और पुरू। पुरू के वंशज पौरव कहलाए और यदु के वंशज यादव कहलाए। यावद वंश में धन्धक और वृष्णि नामक दो बड़े प्रसिद्ध राजा हुए। अन्धक के वंश में उग्रसेन और कंस हुए जिनका मथुरा पर शासन था। वृष्णिवंश में कृष्ण हुए। वृष्णिवंश द्वारका जाकर वहाँ राज्य करने लगा। कन्नौज के चन्द्रवंशी राजा गाधि का पुत्र विश्वरथ था जो बाद में ऋषि विश्वामित्र के नाम से प्रसिद्ध हुआ। पौरव वंश में दुष्यन्त बड़ा शक्तिशाली राजा था। उसका पुत्र भरत चक्रवर्ती सम्राट् था जिसके नाम से हमारा देश भारत कहलाया। पौरव वंश में आगे चलकर भीष्मपितामाह, धृतराष्ट्र, पांडु, युधिष्ठर, अर्जुन और पीरक्षित आदि हुए।

चार कुलों के सम्बन्ध में विवाद

भारत के राजकुलों में चार कुल-प्रतिहार, चौहान, परमार और सोलंकी अग्निवंश में माने जाते हैं। उनके विषय में विभिन्न इतिहासकारों की विभिन्न धारणाएँ हैं। डॉ. दशरथ शर्मा ने लिखा है कि असुरों का नाश करने के लिए वशिष्ठ ने प्रतिहार, चौहान, परमार और चालुक्य नामक चार क्षत्रिय कुल उत्पन्न किये लेकिन यह मान्यता मिथ्या है। इस धारणा की उत्पति पृथ्वीराज रासो के प्रकरण से हुई और इस प्रकार अग्निकुल की मान्यता सोलहवीं सदी से ही आरम्भ हुई। अग्निवंश की मान्यता को मिथ्या बताने वाले विद्वान् ही दूसरे शब्दों में इसकी उत्पत्ति अग्नि द्वारा शुद्ध करने की मान्यता के अनुसार स्वीकार करते हैं।

वास्तविकता यह है कि जब वैदिक धर्म ब्राह्माणों के नियंत्रण में आ गया तो उसके विरूद्ध गौतम बुद्ध ने बगावत करके अपना नया धर्म प्रचलित कर दिया। उस समय क्षत्रिय वर्ण वैदिक धर्म को छोड़कर बौद्ध धर्म को अंगीकार करता चला गया। क्षत्रिय राजा बौद्ध हो गये। वैश्य समाज ने भी बौद्ध या जेन धर्म को अपना लिया। वैदिक परम्पराएँ नष्टप्राय हो गई। तब ब्राह्माणों ने पुराणों तक में यह लिख दिया कि कलियुग में ब्राह्मण और शूद्र ही रह जाएँगे। कलियुग के राजा शूद्र ही होंगे। तब एक ब्राह्मण वर्ग ही ऐसा था जो बौद्ध धर्मावलम्बी नहीं बना था। उस समय वैदिक धर्म व समाज की रक्षा करने की समस्या उठ खड़ी हुई क्योंकि समाज की रक्षा करने वाले क्षत्रिय बौद्ध हो चुके थे। ऐसी परिस्थिति में वेदिक धर्म की रक्षा करने की समस्या ब्राह्माणों के सामने आ गई ओर इस कारण किसी न किसी रूप में क्षत्रियों को वापस वैदिक धर्म में लाने के प्रयास आरम्भ हो गये। तब ब्राह्मणों के मुखिया अथवा ऋषियों के अथव प्रयासों से चर क्षत्रिय कुलों को बौद्ध धर्म से वापस वैदिक धर्म में परिवर्तित किया गया और यह कार्य आबू पर्वत पर यज्ञ करके किया गया। यही अग्निकुल का स्वरूप है; भले ही प्रतिहार व चौहान (चाहमान) सूर्यवंशी तथा चालुकय मूल रूप में चन्द्रवंशी क्षत्रिय ही थे। इसी कारण बाद के तीन वंशों के अभिलेखों में वे अपने प्राचीन वंशों का ही हवाला देते रहे। परमार वंश वाले स्वयं को प्राचीन वंश वाले न मिखकर अग्निवंशी ही लिखते रहें। परमार वंश का उल्लेख अबुलफजल ने 'आईने अकबरी' में किया है और उसका समय वि.सं. 818 (ई.सन् 761) दिया है। यह समय कुमारिल भट (ई.सन् 700) के बाद का है जबकि बौद्धों को वैदिक धर्म में वापिस लाने का कार्य आरम्भ हो गया था।

क्रमशः....

माली जाति की उत्पति . .

इतिहासविद्
स्व. श्री सुखबीर सिंह गहलोत के ग्रंथ राजस्थान का माली सैनी समाज से साभार.....

मनीष गहलोत

बिदियाद में छह गांव माली समाज का 19वां सामूहिक विवाह सम्मेलन, एक तुलसी विवाह भी करवाया, 20 जोड़ें बंधे परिणय सूत्र में पहली बार पंडित ने संस्कृत, हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी दिलाए विवाह के सात वचन

समाज मजबूती में सहायक हैं ऐसे आयोजन : चौधरी

समाज उपाध्यक्ष एवं समाज की चाय की थड़ी लगाने वाले युवा ने पेश की मिशाल

परबतसर/बड़ू। फुलरिया दूज के मौके पर छह गांव माली (सैनी) समाज का 19वां सामूहिक विवाह सम्मेलन मंगलवार को बिदियाद स्थित जेठूजी महाराज की बगीची में हुआ। इसमें 20 जोड़े हमसफर बने। सम्मेलन में कुछ मेहमान ऐसे आए हुए थे जो लंबे समय से कनाड़ा और अमेरिका में रह रहे हैं। उन्हें संस्कृति के श्लोक समझने में दिक्कत आई।

धार्मिक ग्रंथों की शिक्षाएं उन तक पहुंचाने के लिए विमल कुमार ने श्लोकों का अंग्रेजों में अनुवाद कर सुनाया। रस्में पूरी करवाने वाले पंडित विमलकुमार यजुर्वेद में पीएचडी है। उन्होंने जयपुर के संस्कृत विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। आयोजन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला ने बताया कि इससे पहले सुबह 8.00 बजे 20 दूल्हों की बिंदोरी निकाली गई। कार्यक्रम स्थल पर सामूहिक रूप से तोरण और वरमाल का कार्यक्रम हुआ। वर-वधुओं को उपहार भेंट किए गए। सांखला कृषि फार्म पर दोपहर सवा 12 बजे पंडित विमलकुमार ने फेरे की रस्म शुरू करवाई। एक तुलसी विवाह भी करवाया गया।

चाय की थड़ी चलाने वाले प्रेमराज ने दिया 2 लाख रूपए का सहयोग : समारोह में कई नेताओं और उद्योगपतियों की मौजूदगी में बोरावड़ में चाय की थड़ी चलाने वाले प्रेमराज बागड़ी ने 1 लाख 51 हजार रूपए नकद दिए। इसके अलावा 50 हजार रूपए अन्य कार्यो में खर्च किए। समाज ने इस कार्यक्रम में उन्हें अध्यक्ष बनाया कर सम्मानित किया गया।

सभी जोड़े उच्च शिक्षित, सात बी. एड.धारी युवतियों की भी समारोह में शादी

सम्मेलन में विवाह बंधन में बंधने वाले सभी जोड़े उच्च शिक्षित है। इनमें से सात लड़कियां गीता, भगवती, नीलम, संगीता, आशा, अंजलि बीएड डिगीधारी है। इसके अलावा 20 में से 3 युवक एलएलबी डिग्रीधारी है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में नागौर सभापति कृपाराम सोलंकी मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता प्रेमराज बागड़ी ने की। उन्होंने 2 लाख रूपए का सहयोग दिया विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री सीआर चौधरी, पूर्व मंत्री राजेंद्र गहलोत, परबतसर विधायक मानसिंह किनसारिया, पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गैसावत, राकेश मेघवाल, रमेश बोहरा, बंशीलाल सांखला, बिदियाद सरपंच मोहनराम मुंदलिया, उद्योगपति देवाराम पादड़ा, एसोसिएशन अध्यक्ष गोविन्द संदड़, शेख इब्राहिम और धर्मदत गर्ग आदि मौजूद थे। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

उपाध्यक्ष ने दी मिसाल, मार्बल व्यवसायी ने परिवार की बेटियों की शादी की : आयोजन समिति के उपाध्यक्ष विदियाद निवासी कैलाश तंवर मार्बल व्यवसायी परिवार की चार लड़कियां की शादी सम्मेलन में करवाई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री सीआर चौधरी ने कहा कि कन्यादान ही बससे बड़ा दान होता है। इससे फिजूलखर्ची और दहेज जैसी कुरीतियों पर अंकुश लगता है। यह समाज को एकसूत्र में पिरोने में सहायक होता है।

अलवर के 36 नवविवाहित जोड़ों को दिलाई बेटी बचाओं व बेटी पढ़ाओं की शपथ : सैनी समाज सामूहिक विवाह एवं समाज उत्थान समिति की और से प्याज मंडी में आयोजित समारोह में 36 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। इसमें नव विवाहित जोड़ों को बेटी बचाओं व बेटी पढ़ाओं की शपथ दिलाई गई। विवाह-संस्कार के लिए सुबह 9.30 बजे काशीराम चौहारा स्थित सैनी समाज सभा भवन से 36 दूल्हों की बारात की सामूहिक निकासी शुरू हुई। बारात का रास्ते में विभिन्न स्थानों पर स्वागत हुआ। समारोह स्थल प्याज मंडी में तोरण व वरमाला के बाद वैवाहिक संस्कार कराए गए। आर्शीवाद समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सैनी सेवा समाज के अध्यक्ष दिलबा सिंह, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार सैनी, राजगढ़ नगर पालिका की चेयरमैन ज्योति सैनी, राजपा के जिलाध्यक्ष अभय सैनी, रामसिंह सैनी, श्वेता सैनी व अशोक सैनी थे। संचालन जितेन्द्र खुराड़िया ने किया। समिति के महामंत्री प्रताप सैनी ने बताया कि विवाह समारोह में हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश, दिल्ली सहित राज्य के अन्य जिलों से भी लोगों ने शिरकत की।

बस्सी में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में 51 जोड़ों ने थामा एक दूसरे का साथ, समारोह में 1 लाख लोगों ने लिया भाग

बस्सी। माली समाज विकास संस्थान बस्सी जयपुर के तत्वावधान में फूलेरा दोज पर आयोजित तृतीय सामूहिक विवाह समारोह में 51 जोड़े परिणय बंधन में बधें। समारोह का आयोजन जयपुर के बस्सी में स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम बिराजपुरा में सम्पन्न हुआ। समारोह के आयोजन को लेकर कार्यकर्ताओ का पिछले तीन माह का प्रयास सामाजिक एकता बढ़ाने एवं कुरूतियो को दूर करने मे सफल रहा। सामूहिक विवाह समारोह में बस्सी, जमवारामगढ, चाकसू, लालसोट, दौसा, फागी, दूदू तहसील सहित आस पास की तहसीलों से करीब एक लाख से अधिक समाजबन्धुओ समारोह में शिरकत कर नवविवाहित वर वधुओ को आर्शीवाद प्रदान कर परिणय बंधन के साक्षी बनें।

संस्थान मिडिया प्रभारी विनोद कुमार सैनी के अनुसार संस्थान द्वारा समारोह को लेकर बुधवार, 08 फरवरी 2015 को गणेश पूजन के साथ ही कार्यक्रम का आगाज हुआ। एक ओर कार्यकर्ताओ में जोश नई किरण खिली ओर इसका ही परिणाम सामेवार, 27 फरवरी 2017 को आयोजित की गई मंगल कलश यात्रा में देखने को मिला। कस्बे के खादी ग्रामोघोग समिति से शुरू हुई मंगल कलश यात्रा में करीब 5100 महिलाओ ने भाग लेकर एक फिर बस्सी कस्बे के जनता को यह दिखा दिया कि माली समाज में भी एकता की कोई कमी नही है। कलश यात्रा खादी ग्रामोघोग समिति से शुरू होकर बस्सी के हद्रय स्थल बिदाजी चौक, पुराना पोस्ट ऑफिस, बंशीधर मंदिर, गौर बाजार, सुनार मोहल्ला, कल्याण गंज, नंसिया बालाजी, विश्वकर्मा मंदिर होती हुई मुख्य समारोह स्थित पर पहुँची। जहाँ पर मंगल कलश यात्रा का महाआरती के साथ स्वागत किया गया।

जिसके पश्चात वधु पक्ष के द्वारा थाम पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक मण्डली रूपाहेडी कलां के कलाकारो ने अलगोजा की धुनो से लोंगो का मन मोह लिया। सायं काल में वधु पक्ष द्वारा भात कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी वधु पक्षो द्वारा भात कार्यक्रम समारोह स्थल पर ही आयोजित किया गया। यहाँ पर भी एकता का मिशाल देखने को मिली। इसके बाद रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें मेहन्दवास टोंक से पधारे प्रकाश माली, टोंक से लाली गुर्जरी, चान्दराणा से नरेश ने लोगो का मनमोहा। मंगलवार, 28 फरवरी 2017 को प्रात: 8 बजे से ही वर पक्षो का आना शुरू हो गया। वर पक्ष का एकत्रिकरण अयोध्यापुरी विश्वकर्मा मंदिर पर किया गया। वही कस्बे के श्री बंशीधर मंदिर से श्री ठाकुर जी महाराज तुलसी विवाह हेतु बग्गी में सवार होकर गाजे बाजे के साथ कस्बे के सभी वर्गो के लोग बारात में शामिल होकर आयोध्यापुरी पर पहुँची जहाँ पर ठाकुरजी एवं समस्त वरों का एक साथ आगुणी कार्यक्रम की रस्म अदा की गई। इसके पश्चात बारात गाजे बाजे के साथ समारोह स्थल पर पहुँची । जहाँ पर एक साथ एक कतार में तोरण कार्यक्रम की रस्त अदा की गई। इस दौरान लोकसभा सलाहाकार संदीप सैनी, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक भादरा, राज्यमंत्री विकेश खोलिया, फूले ब्रिगेड प्रदेशाध्यक्ष ललिता संजीव महरवाल, युथ कांग्रेस लोकसभा क्षेत्र ग्रामीण अध्यक्ष बंशीधर सैनी, सैनी वर्ल्ड इँकानामी के प्रदेशाध्यक्ष किशोर लाल टांक, राष्टीय संस्थान सचिव अनुभव चन्देल, लालसोट चेयरमेन जगदीश सैनी, जयपुर जिला प्रमुख मूलचन्द मीणा, विधायक अंजू खन्गवाल, बस्सी प्रधान गणेश नारायण पोटल्या, पीसीसी सदस्य लक्ष्मण मीणा सहित गई गणमान्य लोगो ने समारोह मे शिरकत की। इसके बाद दूल्हा व दूल्हनो को पृथक पृथक बिठाकर बाद में एक एक करके वरमाला कार्यक्रम मंच पर किया गया। इसके बाद पाणिग्रहण कार्यक्रम हुआ। वैदिक मंत्रोचार एवं संगीतमय पाणिग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इसके बाद सभी नवविवाहित जोडो को समाजबन्धुओ एवं कार्यकारिणी के द्वारा आर्शीवाद प्रदान किया गया। इसके बाद करीब सायं 6 बजे विदाई समारोह आयोजित हुआ । जिसमें सभी नवविवाहित जोडों को एक साथ विदाई दी गई। समारोह के दोनो दिवस करीब एक लाख से अधिक लोगो के भोजन के रूप भण्डारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह की सराहना समाज ही नही अपितु अन्य समाज के लोगो एवं कस्बे में भी चर्चा का विषय बना रहा। एक साथ इतनी समाज को एक जगह देख लोगो में भी जागरूकता का विकास होने लगा है। माली समाज से दूसरे समाज के लोग भी प्रेरणा लेने लगें। वही पूरे समारोह में संस्थान के सम्बद्वमें कार्यरत फूले सेना भी काफी चर्चा में रही । कलश यात्रा से लेकर विदाई समारोह तक फूले सेना ने अपनी जिम्मेदारीयां बखुबी निभाई। ओर समाज को यह दिखा दिया कि यूवा वर्ग अगर एक साथ हो जाये तो कोई भी काम अंसभव नही है।

मुख्य समारोह के दौश्रान सरंक्षक जगदीश प्रसाद सैनी, अध्यक्ष सीताराम सैनी, लक्ष्मीपुरा, उपाध्यक्ष कालूराम सैनी, मोती लाल सैनी, जगदीश सैनी, सचिव बाबू लाल सैनी, कोषाध्यक्ष सीताराम सैनी, मुख्य प्रवक्ता श्रवण लाल सैनी, संगठनमंत्री जगदीश जी पोतली, शंकर लाल सैनी पालावाला, विवाह प्रमाण पत्र पंजीयन समिति संयोजक बाबू लाल बासनिवाल, मोती लाल सैनी, रामवतार सैनी, जगदीश सैनी पूर्व पार्षद, रामफूल सैनी, हरिनारायण सैनी, फूले सेना सरंक्षक माधोलाल सैनी, अध्यक्ष दीपक सैनी, सचिव विनोद कुमार सैनी, उपाध्यक्ष संतोष कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल सैनी, महामंत्री ओमकार सैनी, प्रचार मंत्री लक्ष्मीनारायण सैनी, एवं युवा नेता अनिल कुमार सैनी मोहनपुरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

अजमेर सामूहिक विवाह में 30 जोड़ों ने शुरू की नई जिदंगी

अजमेर। जिला माली ॐसैनीॐ सामूहिक विवाह समिति (रजि.) के तत्वधान में 13 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन में 30 जोडों का विवाह दिनांक 28 फरवरी 2017 फुलेरा दूज, मंगलवार को आजाद पार्क, अजमेर में भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को भव्य व सफल बनाने के लिए 18 समितियों का गठन किया गया था इसमें प्रमुख थी- उपहार एवं जैवर क्रय समिति-श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान, मुरलीधर चौहान, बिशन सिंह सांखला, रूप चन्द भाटी, भोजन निमार्ण समिति-यशोदानन्दन चौहान, कैलाश भाटी, श्याम लाल तंवर, रमेश कच्छावा, मदन कच्छावा, ओम प्रकाश चौहान, पंडाल व्यवस्था समिति-धमेन्द्र गहलोत, धमेन्द्र टांक, शैलेन्द्र सतरावला, जितेन्द्र मारोठिया, भेजन कूपन विक्रय समिति -पदम चन्द गहलोत, ओम प्रकाश गडवाल, करण सिंह बनिष्ठया, बारात संचालन समिति-राम नारायण भाटी, शिव लाल बनिष्ठया, चंवरी व्यवस्था समिति-सुगन चन्द उबाना, अनिल चन्द उबाना, जल व्यवस्था समिति-सोलन लाल तुन्दवाल, राज किशोर सांखला, वधु स्वागत एवं श्रृंगार समिति-श्रीमती मनोरमा परिहार, शारदा मालाकर, कामिनि मौर्य, निशा बबेरवाल, खुशबू अजमेरा, सुरक्षा व्यवस्था समिति-महेन्द्र सिंह चौहान, चिकित्सा व्यवस्था समिति- वीर सिंह ढलवाल, अरविन्द कच्छावा, ओम प्रकाश खारोलिया, पूछताछ एवं सूचनार्थ समिति-चन्द्र शेखर मौर्य, प्रदीप कच्छावा, माखन लाल मारोठिया, हवन सामग्री क्रय समिति-पूनम चन्द चौहान, भगवान स्वरूप भाटी जिन्होंने अपनी पूरी जिम्मेदारी के साथ सम्मेलन को सफल बनाया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री त्रिलोक चन्द इंदौरा और अध्यक्षता विजय कुमार सैनी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक कन्हैया लाल सैनी रहे। कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथिगणों में महापौर धमेन्द्र गहलोत एडीए अध्यक्ष शिव शंकर हेडा, जिला प्रमुख वंदना नोगिया, फूल मंडी अध्यक्ष पूनमचन्द मारोठिया, चांदमल टांक, राजेश भाटी थे समिति के अध्यक्ष घीसू गढवाल ने इनका माल्यार्पण कर साफा पहनाया गया।

बारात प्रात: 10 बजे किंग एडवर्ड मेमोरियल से सज-धज कर ठोल धमाकों के साथ प्रारम्भ होकर मदार गेट, गांधी भवन चौराहा, चूड़ी बाजार, नया बाजार, आगरा गेट, अग्रसेन चौराहा, कलेक्ट्रेड के पीछे से होती हुयी आजाद पार्क पहुंची। जहां विभिन्न स्थानों पर स्वागत द्वार लगाकर बारात पर पुष्प वर्षा की गई और बारात स्वागत में मदार गेट पर पूनम चन्द मारोठिया द्वारा, बैंक ऑफ बडौदा, आदित्य प्रकाश चौहान, नया बाजार पर संदीप तंवर, आगरा गेट पर संजय महावर राजेन्द्र गहलोत द्वारा जगह-जगह चाय-नाश्ता, शरबत तथा आईसक्रीम की भी व्यवस्था शहर के प्रमुख व्यवसायियों द्वारा की गई। बारात स्वागत-दोपहर 12:05 बजे, तोरण-दोपहर 12:15 बजे, अतिथि स्वागत दोपहर 12:30 बजे, वरमाला-दोपहर 12:45 बजे, पाणिग्रहण संस्कार-दोपहर 2:30 बजे, आर्शीवाद समारोह एवं विदाई-सांय 4:00 बजे की गई। 13वां सामूहिक विवाह समारोह में 30 जोडों को समिति की ओर से एक टीका सोने का, एक जोडी पायजेब व बिछुडी, एक पंलग, रजाई गद्दा, बेडशीट, 2 तकिये, 21 बर्तन स्टील के, तथा वर-वधु को 25-25 सदस्यों के निशुल्क भोजन के कूपन दिये गये।

इसके अलावा समाज बन्धुओं को वर-वधु को भेट दिये जो कि समिति के माध्यम से ही सभी जोडो को समान रूप से गणेश प्रसादी पर वितरण की दी जायेगी। पूरे दिन युवाओं, महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गो से मेले जैसा दृश्य लगा रहा। पूरे कार्यक्रम में समाज बन्धुओं के लिए नि:शुल्क छाछ की व्यवस्था चन्द्रकांत सैनी, सतीश सैनी और प्रदीप कच्छावा के द्वारा वितरित की गई। जहाँ सभी ने ठंडी-ठंडी छाछ का आनन्द लेते रहें। मंच का संचालन महापौर धमेन्द्र गहलोत ने किया।

समिति के अध्यक्ष घीसू गढवाल ने अपने भाषण में कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से समाज में फैली कुरितियाँ जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह आदि से दूर की जा सकती हैं। शादियों में होने वाले बेहिसाब खर्चो से पैसा बचाकर बच्चों के रोजगार व व्यवसाय में लगाना चाहिए ताकि वे स्वयं आत्मनिर्भर बने जिससे देश आत्म निर्भर बनेगा।

इसके अतिरिक्त इस सम्मेलन में समिति को त्रिलोक चन्द इंदोरा द्वारा 125000/-रूपये नकद, विजय सिंह सैनी द्वारा 51000/-रूपये, घनश्याश्म बनिष्ठया द्वारा 41 बर्तनों का एक सेट प्रत्येक जोडे को, दिलीप गढवाल व अनिल मौर्य द्वारा पंखे, चेतन सैनी द्वारा बाटी कूकर, सेवा राम चौहान द्वारा टिफिन, मदार गेट फूल मंडी ऐसोसियशन द्वारा डबल बैड कम्बल, राजेश भाटी द्वारा-भोजन निर्माण हेतु गैस सैलेण्डर, माता सावित्री बाई फूल महिला संस्थान के अध्यक्ष शारदा मालाकार द्वारा प्रत्येक जोडे को पायजेप व बिछूडी की एक-एक जोडी प्रत्येक प्रत्येक जोडे को भेट दी गई। इस समारोह में लक्ष्मी नारायण सिंगोदिया, राजेन्द्र मौर्य, महेश चौहान, अशोक तंवर, सुभाष गहलोत, मोती सिंह सैनी, रवि राज माली, किशोर भाटी, मदन लाल जादम, अजय तुन्दवाल, विधांशु भाटी, रवि कच्छावा, हनिष मारोठिया, भानू प्रताप कच्छावा, राजेश गढवाल, मुकेश अजमेरा, मेवा लाल जादम, हेमराज सिसोदिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती बाबा सांखला, उज्जैन से प्रिया वैष्णव पार्षदों में विजय सिंह गहालेत, गोपाल चौहान, संतोष मौर्य, बीना टांक, उर्मिला गढवाल, गणेश चौहान निम्न समाज बन्धु उपस्थित थे। इस बार सम्मेलन में जोडे कच्छ, गुजरात, चुरू, राजसमंद, जेतारण, टोंक, मारवाडा, सोमेश्वर, ब्यावर, किशनगढ, गगवाना, दूदू, नसीराबाद, नागौर से आने पर अध्यक्ष घीसू गढवाल ने अपने स्वागत भाषण में पत्रकार प्रदीप कुमार कच्छावा के द्वारा नि:शुल्क रूप से सोशल मिडिया, वॉटसप, अखबार, इलैक्ट्रोनिक मीडिया पर सम्मेलन का प्रचार-प्रसार करने व हर समय सहयोग करने के लिए तत्पर रहते हैं। उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में श्री त्रिलोक चन्द इंदौरा ने सम्मेलन को उच्च कोटि की सफलता दिलाने के लिए माली समाज व आर्थिक सहयोग भेंटकर्त्ताओं को आभार व धन्यवाद दिया।

उज्जैन में दसवां सामूहिक विवाह कार्यक्रम हर्षोल्लास से सम्पन्न

उज्जैन। श्री गुजराती रामी समाज की मध्यप्रदेश समिति के माध्यम से चल रहे प्रतिवर्षानुसार बसंत पंचमी पर दसवां सामूहिक विवाह निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। इस वर्ष सामूहिक विवाह का अध्यक्ष पद का दायित्व श्री गिरधारीलाल परमार (पूर्व निर्माण समिति अध्यक्ष) ने सम्हाला था व श्री परमार ने विधिवत पूरी कार्यकारिणी बनाई जो पूरे विवाह कार्यक्रम में सक्रिय रहे। विशेष सक्रियता रही विवाह समिति के परामर्शदाता व प्रांतीय अध्यक्ष श्री यादवलाल चौहान की। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सामूहिक विवाह तीन भागों में विभाजित था पहला वर वधू का पाण्डाल, दूसरा भोजन पंडाल, तीसरा उद्घोषणा व रजिस्ट्रेशन काउंटर। पहले पंडाल में समाज गौर श्री नवीन, प्रवीण पंडया व इनके सहयोगी द्वारा कमान सम्भाली गई थी। पंडितों की व्यवस्था में सहयोग के लिए तत्पर थी उज्जैन समाज की महिला समिति जिसमें श्रीमी गीता रामी, श्रीमती मंजू हारोड, श्रीमती रेखा गेहलोत (पार्षद), श्रीमती कस्तूरी बेन, श्रीमती कांताबेन, श्रीमती मालती बेन सहित उज्जैन की समिति द्वारा धार्मिक कार्य सम्पन्न कराया गया। व्यवस्था का दायित्व सम्भाला था ग्राम पलवा एवं गजनी खेड़ी की मण्डली ने। इसी पण्डाल में अतिथियों के लिए स्वागत मंच मनाया गया था। जिसकी बागडोर सम्भाल रखी थी। महामंत्री भाई सत्यनारायण भाई सत्यनारायण चौहान ने।

दूसरा पण्डाल में भोजन की कमान संभाली थी इंदौर टीम ने युवा टीम अध्यक्ष श्री गोविन्द हारोड एवं अजय चौहान ने अपनी टीम के साथ राजा ठाकुर, मोहनलाल हारोड एवं ग्राम भगोरा की युवा टीम श्री संतोष वर्मा, श्री लोकेश वर्मा, दिलीप चौहान, शिवनारायण चावडा, राम डोरिया, सचिन जिराती, योगेश चौहान, आजाद बारोड, तेजनारायण वाघेला, संजय गेहलोत, रूपनारायण बारोड, दिनेश जिराती सहित युवाओं की टीम ने बडी ही लगन व दिलचस्पी से कार्य सम्पन्न करवाया साथ ही धार्मिक टीम बाबा जय गुरूदेव धर्म विकास समिति के डॉ. संजीव नवगोत्री सहित श्री अर्जुन भाई, जय भेया, राहुल भैया, मुकेश भैया, राजकुमार राजेश भैया, दिली भैया एवं सुनिल जी ने अपनी सेवाएं दी।

इस बार पोहे के नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। श्री सत्यनारायण चौहान बेरछा वाले द्वारा जिन्होंने समाज के लोगों को पोहे का नाश्ता करवाया। इसी तरह चाय की व्यवस्था श्री चिंतामणी एवं श्री नरेन्द्रजी गेहलोत दमदमा लोगों ने व चाय का सामान जिसमें दूध, शक्कर, चाय पत्ती, डिस्पोजल ग्लास की व्यवस्था की गई थी। श्री मदनलाल परमार उज्जैन वालों ने, जिसमें श्री कैलाशजी वर्मा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष एवं श्री पूनमचंद माली, प्रांतीय संगठनमंत्री बिजलपुर वालों की ओर से सामग्री में शेयर किया गया।

तीसरा पंडाल था उद्घोषणा व्यवस्था व रजिस्ट्रेशन काउंटर जिसकी व्यवस्था संभाली थी प्रांतीय सचिव श्री गजानन्द रामी ने। सहयोग के लिए तैयार थे श्री सीएल वर्मा नागदा, श्री पूनमचंद माली, श्री मोहनलाल आर्य कानड़ एवं श्री सुरेश चौहान, उज्जैन। श्री रामी ने पत्रिका वनमाली के लिए भी स्टॉल लगाया गया।

कार्यक्रम अपने समय पर ठीक 9.30 बजे पर पण्डित जी ने शुरू करवाया और पूरी तरह से वैदिक रीति नीति से सम्पन्न करवाय। जनपद पंचायत उज्जेन की टीम श्री जगदीशजी बौरासी, श्री यशपालसिंह परिहार, श्री ओमप्रकाश चौहान, सुश्री चिंतामणि माथुरिया ने शासन की ओर से जाने वाली सम्पूर्ण व्यवस्था की। श्री ओमप्रकाश चौहान, सुश्री जगदीश बारोड, मुकेश बारोड, राजेश गोयल, तेजनारायण बारोड, रेकचंद बारोड एवं गोपाल बारोड ने एक एक घडी वर वधुओं को इसी प्रकार एक घड़ी श्री मोहनलाल बारोड (शनि मन्दिर) की ओर से इसी तरह एक एक राम दरबार के साथ महात्मा फूले व सावित्री देवी फूले के फोटोग्राफ भगोरा ग्राम की युवा टीम ने एवं श्रीमती द्रोपदी वरदीचंद राठौर की ओर से प्रत्येक वर वधू को एक एक तर्पी उपहार स्वरूप भेंट दी। काका कोल्ड ड्रिंक्स वालों की ओर से भी वर वधुओं को घड़िया दी गई। साथ ही पूरे पण्डाल से सामान लाना ले जाना जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाई श्री धर्मेन्द्र सुरेशजी जाधव गोंदिया ने। जिन्होंने एक दिन पहले से एक दिन बात तक अनवरत सेवाएं दी।

विवाह कार्यक्रम में उज्जैन जिले के समस्त जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिककारीगण आमंत्रित थे। परन्तु आगमन हुआ शहर की प्रथम नागरिक श्रीमती मीना जोनवाल, महापौर नगर निगम उज्जैन व क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गीता चौधरी व समाज के लोकप्रिय पार्षद श्री राधेश्याम वर्मा एवं नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री राजेन्द्र वशिष्ठ एवं किसान नेता परमानन्द जी वर्मा। आप सभी ने वर वधुओं को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में माली समाज उज्जैन के अध्यक्ष श्री लीलाधर आढतिया संरक्षक श्री शिवनारायण जागीरदार, अध्यक्ष श्री पुरूशोत्तम पटेल, पूर्व अध्यक्ष श्री गोपाल बारोड, परामर्शदाता श्री भैरूलालजी गेहलोत, श्री बद्रीलाल मकवाना, श्री मांगीलाल दिया, श्री ओंकार पटेल, कैलाशजी पटेल आगर, श्री राधेश्याम परमार, श्री कैलाश वर्मा फूल वाले एवं समाज के प्रमुखों सहित हजारों की संख्या में समाजजन व महिलाएं बच्चे कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। कुल मिलाकर कार्यक्रम व्यवस्थित सम्पन्न हुआ।

प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री देवी120 वीं पुण्यतिथि पर अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन

कतृज्ञ समाज ने माता सावित्री बाई फूले को किया नमन

निमाज में सावित्रीबाई फूले की मूति का अनावरण : निमाज। कस्बे के मेला चौक स्थित राजकीय सावित्रीबाई फूले कन्या छात्रावास में शुक्रवार को सावित्रीबाई फूले की मूर्ति का अनावरण एवं 120वीं पुण्यतिथि संत सोहनराम रामस्नेही के सानिध्य में हुआ। समारोह की अध्यक्षता सरपंच गोरधनलाल बाबरी ने की। समारोह को सम्बोधित करते हुए सरपंच बावरी ने प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने को कहा कि अखिल भारतीय सैनी महासभा के अध्यक्ष ऊँकारराम कच्छवाहा ने कहा कि ऐसी महान आत्मा की मूर्ति हर चौराहे पर लगनी चाहिए। जिससे महिलाओं को प्रेरणा एवं संबल मिले। महिला शिक्षा को बढावा देने के लिए सावित्रीबाई फूले ने अपनी पूरी जिंदगी गुजार दी। संत सोहनराम ने कहा कि नारी शक्ति का रूप होती है। नारी को कमजोर नहीं समझना चाहिए। उन्होंने बालिका को बढावा देने को कहा।

छात्रा सुमित्रा का हुआ सम्मान : समारोह के दौरान इसी छात्रावास में पढकर गार्गी पुरस्कार प्राप्त करने वाली दलित छात्रा सुमित्रा हरिजन का माला एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

सभी ने माता सावित्री बाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्जित किये। सभी ने माता सावित्री बाई फुले के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताये मार्य पर चलने का सकंल्प लिया। महिला शिक्षा को बढ़ावा देने प्रण लिया। सभी महिलाओं ने माता सावित्री बाई फुले अमर रहे..... अमर रहे .....। जब तक सूरज चांद रहेगा, फुले तेरा नाम रहेगा .....के नारे लगाये। सभी वक्ताओं ने माता सावित्री बाई फुले को ''भारत रत्न'' दिलवाने की पुर जोर से भारत सरकार से मांग की।

इस प्रकार माली समाज की महिलाओं ने आज के दिन ''महिला दिवस'' बनाया। इस अवसर पर पार्षद संतोष मोर्य आशा तुनवाल, सुलोचना कच्छवा, सीमा सांखला, मंजु चौधरी, सुशिला सिगोदिया, डिम्पल मावर, सीमा महावर, पुष्पा बागडी, सरिता मावर, राधा चौहान, माया चौहान, कविता चौहान, नीना पवार, श्रीमती रतन देवी, रीतु तुनवाल, श्रीमती भाटी, अनुपमा सांखला उपस्थित थी।

पुरूषों मे चांद मल टांक, लक्ष्मी नारायण सिगोदिया, प्रदीप कच्छावा, अजय तुनवाल, चन्दशेखर मोर्य, संदीप तंवर, राजेश भाटी, अनिल मोर्य, मोती सिंह सैनी, रवि कच्छावा, श्याम सुन्दर पंवार, भनुप्रताप कच्छावा, राजेन्द्र बागडी, हनिश मारोठिया इत्यादि उपस्थित थे। सभी पधाधिकारियों ने समाज की कुरीतियों का अंत करने एवं कन्याभ्रूण हत्या पर रोक लगाने की शपथ की एवं संस्था द्वारा निर्धन महिलाओं को शैक्षिक आशय देने की घोषण की।

इस कार्यक्रम दौरान सबसे अच्छी बात यह देखने की मिली कि बच्चों की परीक्षा का समय होने के बावजूद भी समाज की महिलाओं ने अपना बहुमूल्य समय में से समय निकालने का बहुत अच्छी संख्या में उपस्थित दर्ज करायी ओर समाज मे यह संदेश देने का प्रयास किया कि हम सभी एकजुट होकर हम भी समाज मे नेतृत्व करने की क्षमता से परिपूर्ण हो।

माँ सावित्री बाई फूले की पुण्य तिथि पर अजमेर में पुष्पाजंली व श्रद्धांजली

कार्यक्रम :

अजमेर। आज दिनांक 10 मालियान धर्मशाला, सुन्दर विलास से, ''माता सावित्री बाई फुले'' की 120 वीं पुण्यतिथि व पुष्पाजंली का क्रार्यक्रम मां सावित्री बाई फुले महिला संस्थान के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती हेमा गहलोत ने की। मंच का संचालन संजोजिका श्रीमती शारदा मालाकार ने की। कार्यक्रम में संस्थान की सभी पधाधिकारी महिला सदस्य व समाज बन्धु उपस्थित थे। अध्यक्ष शारदा के नेतृत्व में समाज की महिलाओं ने घर की चार दिवारी से बाहर निकलकर माता सावित्री बाई के चित्र पर पुष्प अर्जित किये और माल्यापर्ण किया।

जसनगर में सावित्री बाई फूले की पुण्यतिथि मनाई :

जसनगर, 15 मार्च, कस्बे के माली समाज भवन में सावित्री बाई फूले की पुण्यतिथि मनाई गई । इस मौके पर समिति अध्यक्ष हड़मानराम दगदी, रतनलाल सांखला, जंवरीलाल दगदी, पप्पुराम सांखला रतनलाल चौहान, कैलाषचन्द सांखला, सुरेषकुमार गहलोत, मुल्तानराम गहलोत, भींवराज, रामनिवास, बिड़दीचन्द, कमल, मुकेष, नरेष, दुलाराम सैनी, सत्यनाराण, दिनेष व नन्दकिषोर गहलोत सहित कई लोगों ने फूले को नमन किया ।

उज्जैन। माली समाज उज्जैन द्वारा भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं क्रांति ज्योति, सावित्री देवी फूले की 120वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में फूले कम्प्यूनिटी हॉल लक्कडगंज में रखी गई। पुष्पांजलि सभा के अतिथि थे। श्री सोनू गेहलोत नगर निगम सभापति, श्री सत्यनारायण चौहान, स्वास्थ समिति सभापति, श्री राधेश्याम वर्मा, एमआईसी सदस्य समाज संरक्षक श्री शिवनारायण जागीरदार एवं पूर्व पार्षद श्रीमती गीताबेन रामी, अध्यक्षता की माली समाज उज्जैन के अध्यक्ष श्री लीलाधर आढतीया ने की।

सर्वप्रथम अतिथियों ने एवं उपस्थित समाजजनों ने सावित्री देवी के चित्र पर पुष्पार्पण किया। सावित्री देवी के जीवन वृतांत का वाचन किया श्रीमती दीपा चौहान ने। उद्‌बोधन में श्री सोनू गहलोत ने कहा कि आज से 200 वर्ष पूर्व सावित्री देवी ने विपरित समय में समाज में समाज जागृति एवं नारी शिक्षा के लिए काम किया। आज का दौर बहुत ही सुख सुविधाओं का दौर है सभी तरह के साधन मौजूद है फिर भी हम लोग उनके जैसा कार्य नहीं कर पाते। श्री सत्यनारायण चौहान ने कहा कि जो कार्य सावित्री देवी ने किये वो स्तुत्य है हमें गव है कि ऐसी विभूति में माली समाज में हमने जन्म लिया। श्री आढतिया ने कहा कि माता सावित्रीदेवी की सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अपने समाज की बालिकाओं को अच्छी शिक्षा दिलवायें। कार्यक्रम को श्री कैलाश पटेल, श्री दिनेश परमार एवं श्रीमती विद्या डोडिया ने की संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन करते समय हुए समाज संयोजक श्री गजानंद रामी ने कहा कि इस महात्म फूले कम्युनिटी हाल में महात्मा फूले एवं सावित्री देवी फूले की प्रतिमा स्थापित की जावे, जिससे समाज में अच्छा संदेश जावेगा व हमारे पितृ परूषों की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में श्री सुरेन्द्र सांखला, श्री सत्यनारायण कछावा, श्री किशोर भाटी, श्री दुर्गेश वर्मा, श्री रामदास रामी, श्री गोपाल बांगरवाल, श्री पुरूषोत्तम मिस्त्री, श्री रामेश्वर पटेल, श्री ओमप्रकाश हारोड, श्री महेन्द्र रामी, श्रीमती उषा रामी, श्रीमती पुष्पा रामी, श्रीमती गीता डोडिया, श्रीमती कला चौहान, श्रीमती गोदावरी बारोड, श्रीमती दुर्गा चावडा, श्रीमती राजु बेन गोयल, श्रीमती बसंती गोयल, श्रीमती लीलादेवी, संदीप रामी सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बर : ग्राम के महात्मा ज्योतिबाब फूले माली सैनी संस्थान पाबूदेवरा पर शुक्रवार को सावित्रीबाई फूले की पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान माली सैनी संस्थान के अध्यक्ष ढगलाराम वागडी ने सावित्रीबाई फूले की जीवनी के बारे में बताया। इस मौके पर माली सैनी सैनी नवयुवक मण्डल के राजूराम बागडी, रतनलाल बागडी, मोतीलाल बागडी, नैनाराम माली, कन्हैयालाल चौहान, दिनेश बागडी आदि मौजूद थे।

फालना। सावित्री बाई फूले की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर शंकरलाल गहलोत, छात्रावास अधीक्षक मूलाराम गहलोत, पूर्व उप प्रधान मोहनलाल सोलंकी, नेमाराम गहलोत, बाबूलाल परिहार, नेमाराम चौधरी, हेमन्त सोलंकी हितेश गहलोत लालराई आदि मौजूद थे।

जैतारण। शहर के प्राइवेट बस सटेण्ड स्थित मालियों की बगीची में माली सैनी संस्थान के अध्यक्ष बगदाराम रूणेचा के सानिध्य में सावित्रीबाई फूले पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके संस्थान अध्यक्ष बगदाराम रूणेचा ने कहा कि सावित्रीबाई फूले महिलाओं के सशक्तिकरण की पहचान है। इस अवसर पर किशोर गहलोत, रामनारायण सैनी, मनीष टाक, महेन्द्र सोलंकी, संपतराज सोलंकी आदि मौजूद थे।

एक महान साहित्यकार थी फूले

छिंदवाडा। राजमाता सिंधिया कन्या महाविद्यालय में ओबीसी युवा महिला महासभा एवं सावित्री बाई फूले समिति के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया। भारत के प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फूले 120वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में डॉ. पी.आर. चंन्द्रकर, श्रीमती कामना वर्मा, राजेश साहू, सीए मनोज सैनी कम्प्यूटर राजेश दोड़ने नीलिमा घोरसे, पप्पू यादव श्रीमती मीना राजेन्द्र राय बाबुराव चरपे, गजेन्द्र वारस्कर, मुख्य रूप से उपस्थित थी।

किए गए कार्यों की दी जानकारी : कार्यक्रम का संचालन ओबीसी युवा महासभा प्रदेश संयोजक दीपक बांदेवर ने मंच संचालन करते हुए सावित्री बाई फूले जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उनके संबंध में जानकारी बताई और साथ ही सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने माता सावित्रीबाई फूले की फोटो पर माला अर्पण की और साथ ही डॉ. पी आर चन्देलकर प्रचार्य ने संबोधित करते हुए कि सावित्रीबाई फूले प्रथम शिक्षिका होने के साथ एक महान साहित्यकार और महान कवित्री थी से उनका पूरा जीवन वंचितों पिछड़े व दलितों उसके सेवा के लिए रहा सभी छात्राओं को सावित्रीबाई फूले के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। श्रीमती कामना वर्मा ने द्वारा सावित्री भाई द्वारा चलाए गए विधवा और बाल विवाह प्रथा तथा मुण्डन प्रथा तथा मानव उत्थान के लिए सावित्री बाई फूले द्वारा किये गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूल के बिना भेदभाव के सभी धर्मो की लड़कियों को पढाती थी वह वण व्यवस्थाओं के सख्त खिलाफ थी राजेश सोनी सीए द्वारा छात्रों के कैरिअर गाईड की जानकारी दी और सावित्री बाई फूले के जीवन में प्रकाश डाला गया मनोज सोनी द्वारा छात्रों को प्रतियोगिता और कॅरिअर गाइड की जानकारी और सावित्रीबाई फूले के पद चिन्हों पर चलने को कहा और साथ ही सावित्री बाई की विस्तारपूर्वक जानकारी तथा उनके द्वारा किए गए कार्य को बताया गया इस आयोजन में समाज की महिला जिला अध्यक्षा का सम्मान किया गया जिसमें साहू समाज में श्रीमती शारदा साहू समाज में श्रीमती शारदा साहू पंवार समाज की श्रीमती दुर्गा पंवार यादव समाज, श्रीमती शकुन्तला यादव किरार समाज श्रीमती विमला, चोरे पाल समाज श्रीमती मनीषा पाल नामदेव समाज श्रीमती भारती नामदेव, कुशवाह समाज श्रीमति माया पटेल, कुनबी समाज श्रीमती रानी वारस्कर, कलार समाज मीना के राय सहित अन्य समाज की भी महिला समाज सेवी एवं अन्य समाजसेवियों का सम्मान किया गया और इस कार्यक्रम में आयोजक मण्डल के रूप में आशा पुजारी, अम्बिका बादुले, कल्पना यादव, पूजा साहू, अंजना सराठे, सुभागी वरसेया, पायल गोस्मि, नेहा नामदेव, चेतना पाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। एवं सभी ने कार्यक्रम को सफल होने पर आभार माना।

अलवर। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले की 120वीं पुण्यतिथि पर जिला सैनी महासभा की ओर से शुक्रवार को सैनी समाज सभा भवन में विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। महामंत्री जितेन्द्र खुराडिया ने बताया कि गोष्ठी में वक्ताओं ने सावित्री बाई फूले के जीवपन पर प्रकाश डाला। प्रशासन से विधि महाविद्यालय का नाम सावित्री बाई फूले करने की मांग की गई। अतिथियों द्वारा माता सावित्री बाई फूले के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मंच का संचालन लक्ष्मण सैनी ने किया। कार्यक्रम में पूर्व नगर परिषद सभापति कमलेश सैनी, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष दीपेन्द्र सैनी, पदम सैनी सलाहकार समिति सभापति लक्ष्मण सैनी ऑल इण्डिया सैनी समाज अध्यक्ष गोविन्दराम सैनी, कुरीति निवारण समिति अध्यक्ष रमेश सैनी, महामंत्री प्रताप सैनी, बाबूलाल सैनी, बिरदाराम सैनी सुरेश चंद सैनी सहित अन्य उपस्थित थे।

समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ सोशियल मिडिया में विरोध के चलते पुलिस ने किया दोषी पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज

गो-सेवा से बढ़ कर कोई सेवा नही-स्वामी चेतनगिरी जी महाराज

जोधपुर। सैनिक क्षत्रिय हनुमान महादेव जी मंदिर, लाल सागर, मित्र मण्डली सेवा समिति एवं परमार्थ सेवा मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में संत श्री रामप्रसाद जी महाराज के सानिध्य में गो सेवा के लिए आयोजित 5 दिवसीय नैनी बाई का मायरों का भव्य आयोजन संतोष आश्रम, सोजत के संत श्री चेतनगिरी जी महाराज के मुखारबिंद से 23 मार्च को प्रात: 9 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ।

आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए श्री ब्रह्मसिंह चौहान अध्यक्ष सैनिक क्षत्रिय हनुमान महादेव जी मंदिर ने बताया कि कलश यात्रा का चैनपुरा गावं से चैनपुरा विकास समिति के अध्यक्ष श्री जयनारायण भाटी के सानिध्य में प्रारंभ हुई जिसमें क्षेत्र की आस पास की महिलाओं ने सज धज कर कलश यात्रा में भाग लिया इस कलश यात्रा में माली समाज की गेर ने भी धूम मचाई तथा जगह जगह पर कलश यात्रा का विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों से स्वागत किया। कलश यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई लाल सागर स्थित हनुमान मंदिर में संपन्न हुई।

यहां मंगला चरण के पश्चात व्यासपीठ पर संत श्री चेतनगिरी जी महाराज ने कथा का शुभारंभ किया कथा के प्रथम दिन संतश्री ने नृसिंह जी के पूर्व जन्मों की कथाऐं जिसमें नृसिंह जी के राजा सुचकंद बनने आदि की कथाऐं बताई गई । आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

कथा के दूसरे दिन नृसिंह जी के वृतमान जीवन की कथा जिसमें जन्म बाल्यकाल एवं व्यापार की विस्तृत जानकारी संगीतमय भजनों के साथ संतश्री चेतनगिरी जी महाराज ने धर्मप्रेमी श्रद्वालुओं को सुनाई श्रोआओं ने कथा के दौरान भाव विभोर हो झुमने को मजबूर कर दिया। पूर्ण आरती के पश्चात दूसरे दिन की कथा पूर्ण हुई तीसरे दिन की कथा में संतश्री चेतनगिरी जी महाराज ने अपने प्रवचन में नृसिंह जी के श्री कृष्ण को प्राप्त करने, संपति के लूटाने के बाद परिवार द्वारा तिरस्कार के साथ ही पत्नी की मृत्यु होने की मार्मिक जिवंत कहानी का वृतांत सुनाते हुए श्रोताओं को विस्तार पूर्वक नानी बाई का विवाह एवं हरी संकीतर्ण करते हुए सूरदासों का मण्डल बनना आदि की जानकारी दी। कथा श्रवण करने आऐ श्रद्वालुओं के लिए आयोजन समिति की ओर से प्रसादी का वितरण किया गया। कथा के चौथे दिन नैनी बाई की बेटी तुलसी के विवाह निमंत्रण, नृसिंह जी के माहरे की तैयारी, भगवान के खाती रूप में अंजार पहुंचने तथा अंबार वासियों एवं श्रीरंग जी के परिवार द्वारा अपमान करने के वृतांत का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। इसके साथ ही नैनी बाई के भगवान से प्रार्थना के वर्णन का भी वर्णन सुंदर शब्दों में भजनों के माध्यम से किया जिसमें श्रोताओं ने बड़ी संख्या में पधार कर श्रवण किया तथा भक्ति गीतों पर झूम कर आनंद लिया।

आज चौथे दिन के आयोजन में राज्यसभा सांसद एवं मुख्य सचेतक श्री नारायण पंचारिया मुख्य अतिथि के रूप में पधारे तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री ब्रह्मसिंह चौहान के अनुग्रह पर गौ-सेवा के लिए दिल खोल कर 5लाख रूपये के अनुदान की घोषणा की जिस पर श्री ब्रह्मसिंह चौहान एवं आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने श्री नारायण पंचारिया का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा संतश्री ने दृप्पटा भेंट करे बहुमान किया।

कथा के अंतिम पांचवे दिन संतश्री चेतनगिरी जी महाराज ने भगवान के सेठ रूप बनाकर नगर भ्रमण नृसिंह जी से भेंट मायरें की तैयारी सहित अनेकों वृतांतो की विस्तृत संगीतमय जानकारी से श्रोताओं को भाव विभोर किया इसके साथ ही संत श्री ने अपने सभी अनुचरों सहित 560 वर्षो पहले ठाकुर जी पर 52 बार कृपा एवं मायरा भरने के पश्चात समस्त नगर वासियों को तृप्त कर विदा लेने की पूर्ण

जानकारी प्रदान की। धार्मिक श्रृद्वालुओं की बड़ी संख्या में पधारनें से आज आयोजन स्थल छोटा पड़ने लगा। संतश्री चेतनगिरी जी महाराज की भजन मंडली गायक श्री ग्यारसीलाल की टीम के मधुर भजनों पर महिलाओं एवं पुरूषों ने नाचकर अपनी भावनाओं का ईजहार किया। आज के आयोजन में मुख्य अतिथि संत लिखमीदास जी स्मारक विकास संस्थान के अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेशाउपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत ने सभी रसीक श्रोताओं का अभिवादन करते हुए संत श्री का शॉल एवं माला ओढ़ाकर बहुमान किया तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री ब्रह्मसिंह चौहान एवं उनकी पूरी टीम को सफल आयोजन पर हार्दिक बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम में माली महासभा के प्रदेशाध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा, समाजसेवी जसवंत सिंह कच्छवाहा, जगदीश पंवार, प्रेमसिंह देवड़ा, आनंदसिंह कच्छवाहा, सी.ए. बलवीर सिंह गहलोत, लक्ष्मण सिंह सांखला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने आयोजन में पधार कर कथा का श्रवण किया। आयोजन समिति की ओर से सभी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

संतश्री चेतनगिरी जी महाराज ने कथा के अंतिम दिन कथा में व्यवस्था सहयोगी साउण्ड सहयोगी माली सैनी संदेश संपादक मनीष गहलोत, श्री राजेन्द्र गहलोत(राजा टेण्ट), लाईट सहयोगी श्री सुनील भोलाराम गहलोत, फूल माला सहयोगी श्री संपत गहलोत (बालाजी फूल), डीजल सेवा में सहयोगी राणाराम (38 नं. अध्यक्ष टैंपो), केनोपी के लिए श्यामसिंह देवड़ा, पानी कैंपर से श्रद्वालुओं की सेवा करने वाले पुखराज विनोद सांखला एवं आयोजन के लिए प्रिटिंग सामग्री छपवाने के लिए सहयोग करने वाले कमलदान चारण का माल्यार्पण एवं दुप्पटा ओढ़ा कर स्वागत किया। इसी कड़ी में सेठू साउण्ड के श्री सेठू गहलोत का भी स्वागत किया गया।

आयोजन समिति की सफलता के लिए मित्र मण्डली सेवा समिति, क्षत्रिय हनुमान महादेव जी मंदिर ट्रस्ट लाल सागर, परमार्थ सेवा मण्डल के संयोजक श्री मिश्रीलाल चौहान ने सभी का सहयोगियों एवं दानदाताओं का आभार प्रकट किया। इस पांच दिवसीय आयोजन के लिए मित्र मण्डी सेवा समिति के सचिव श्री ब्रह्मसिंह कच्छवाहा, अध्यक्ष श्री छंवरलाल गहलोत, भूरसिंह कच्छवाहा, हरिसिंह चौहान संरक्षक, हेमसिंह परिहार, खेमसिंह गहलोत, पुखराज सांखला कमलदान चारण, गोपीकिशन गहलोत सहित अनेकों समाज बंधुओं ने अपनी सेवाऐं प्रदान कर सफल आयोजन में सहभागी बन गो-सेवा हेतु दानदाताओं से राशि प्राप्त की।

फोटो समाचार

मगरा पूंजला,जोधपुर में भागवत महात्म्य समारोह में होली महोत्सव की झलकियां

राव की गेर में उमड़ा माली समाज, गेरियों की मनुहार

जोधपुर। होली के दूसरे दिन सोमवार को मण्डोर क्षेत्र में आयोजित रावजी की गेर में माली समाज के लोगों का हुजूम उमड़ा। गेर मण्डवता मन्दिर चौक से विधिवत पूजन के बाद 3.15 बजे रवाना होकर खोखरिया बेरा होते हुए भी फतेहबाग बेरा पहुंची। जहां क्षेत्र के बुजुर्गों से राव मशविरे के बाद सर्वसम्मति से युवा अनिल गहलोत का राव राजा के रूप में चयन किया गया।

गहलोत को रंग बिरेंगे परिधान, ऋतुपुष्पों से सुसज्जित करने के बाद विधिवत आर्शीवाद प्रदान कर रवाना किया गया। गेर में राव राजा बने गहलोत को रंग बिरेंगे परिधानों और लता पताओं से सुसज्जित कर उसके ईद गिर्द चंग की थाप पर गेर की टोलियां नृत्य व गीत गाते हुए साथ चल रही थी। चंग की थाप पर लूर नृत्य करते गेरियों का उत्साह देखते ही बनता था। क्षेत्र के भवाला बेरा, भियांली बेरा, गोपी बेरा, बड़ा बेरा, आमली बेरा, फतेहबाग बेरा, फूलबाग, नागोरी बेरा, पदाला बेरा की परम्परागत गेरें, सामूहिक रूप से राव की गेर में शामिल होकर क्षेत्र के विभिन्न रास्तों से होते हुए शाम करीब सात बजे मण्डोर उद्यान पहुंची। जोधपुर सांसद श्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने गेर में शामिल होकर माली समाज के लोगों को होली की बधाई दी व गेरियों का स्वागत किया।

मण्डोर चौराहे पर माली समाज के गेरियों की ओर से सांसद का साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सामूहिक गेर समाज करीब 7.15 बजे मण्डोर उद्यान में स्थित रावजी के कुण्ड पहुंचकर विसर्जित हुई। सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से रावजी कुण्ड के आस पास आकर्षक रोशनी व्यवस्था की गई।

भारतीय नववर्ष के आगमन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

जोधपुर। सावित्री बाई फुले हर्बल उद्यान में नव वर्ष के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जेडीए चेयरमेन श्री महेन्द्र सिंह, उत्कर्ष के निदेशक श्री निर्मल गहलोत, फल सब्जी मण्डी के नव निवार्चित डायरेक्टर श्री राकेश परिहार, माली सैनी संदेश के प्रेस फोटोग्राफर श्री जगदीश सिंह देवड़ा सहित अनेकों समाजसेवियों ने पोधा रोपण किया। ज्ञात रहे कि इस हर्बल उद्यान में हजारों विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगे है साथ ही अनेकों फल एव दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ भी है। माधव पर्यावरण उद्यान प्रसारण के अध्यक्ष समाजसेवी श्री सुभाष गहलोत ने सभी का हार्दिक आभार प्रकट किया।

डॉ. दीपक सैनी ने अमेरिका बढ़ाया मरुधरा का मान

कोटा। राजस्थान मूल के निवासी डॉ. दीपक सैनी 14 मार्च को अमेरिका जाएंगे तथा वहां एएओएस की वार्षिक सेमीनार में दुनिया के हजारों अस्थि रोग विशेषज्ञों के मध्य अपने नवीनतम जटिल सफल ऑपरेशन की जानकारी दी। डॉ. दीपक, जो अहमदाबाद स्थित सेल्बी चिकित्सालय में वरिष्ठ अस्थि रोग एवं ज्वांइट रिप्लेसमेंट के परम विशेषज्ञ हैं, ने हाल ही में एक महिला के जटिल अस्थि ज्वांइट रोग में छह माह पूर्व किसी अन्य अस्पताल में किए गए केस को रि-ओपन किया उन्होंने महिला के सफलतपूर्वक किए गए ऑपरेशन की विफ्लता के कारण का पता लगाकर फिर से सम्पूर्ण घुटनों के बदलाव (टोटल नी-रिप्लेसमेंट) का ऑपरेशन किया। उन्होंने बताया कि इसके साथ्ज्ञ ही वह रीड की हड्डी के ट्यूमर से भी पीड़ित थी। ऑपरेशन के बाद महिला एकदम स्वस्थ है।

डॉ. दीपक का यह सफलतापूर्वक किया गया जटिल ऑपरेशन का केस अमेरिकन अकेडमी ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन, यूएसए द्वारा अस्थि रोग चिकित्सा के क्षेत्र में नई उपलब्धि के रूप में स्वीकार किया गया है और उन्हें इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी दुनिया के हजारों अस्थि रोग सर्जनों को देने के लिए अमेरिका आमंत्रित किया गया था। डॉ. दीपक एएओएस के रजिस्टर्ड सदस्य नहीं होने से उनका रजिस्ट्रेशन भी संस्था द्वारा करवाया गया। यह सेमीनार अमेरिका के राज्य केलिफोर्निया के शहर सेनडियागो में आयोजित हुई।

डॉ. दीपक सैनी का जन्म राजस्थान झुंझुनूं जिले के खेतड़ी में 2 नवम्बर, 1981 को श्री.बी.एल. सैनी के परिवार में हुआ। आपके पिता समाजसेवी हैं तथा राजनीति में सक्रिय होने से 15 साल तक सरपंच रहे। आपका विवाह वर्ष 2006 में दिल्ली की मोनिका से हुआ।

आपने चिकित्सा विज्ञान में मेडिकल कॉलेज जयपुर से एमबीबीएस कर बीकानेर मेडिकल कॉलेज से अस्थि रोग (ऑर्थो) में एम.एस. की डिग्री प्राप्त की। आपने एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से 2004-05 में इंटर्नशिप कर ''फ्रैक्चर ऑफ हैण्ड बोन्स ट्रीटेड' विषय पर अपनी थीसीस पूरी की। वर्तमान में आप जयपुर में रह रहे हैं तथा यहां पर सेल्बी अस्पताल के आउटडोर सेंटर को भी संभाल रहे हैं, जहां ये स्वयं जोड़ों के ऑपरेशन करते हैं।

डॉ. सैनी ने जनवरी, 2005 से जून, 2005 तक जूनियर रेजीडेंट ऑथोपेडिक्स के रूप में धनवन्तरी हॉस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर में तथा माहेश्वरी हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, जैसलमेर में ऑर्थोपेडिक्स के मुख्य सलाहकार के रूप में 2009 से जून, 2010 तक सेवाएं दी। इसके बाद से अब तक ये सेल्बी चिकित्सालय, अहमदाबाद में सेवाएं प्रदान कर रहे है।

डॉ. सैनी घुटनों एवं कूल्हों के जोड़ को प्रत्यारोपित करने, फ्रैक्चर मैनेजमेंट, ऑथोस्कोपी एवं मैनेजमेंट ऑफ पोलीट्रोमा ऑपरेशन के मामलों में परम विशेषज्ञता और पर्याप्त अनुभव रखते है।

डॉ. सैनी ने अकेले अब तक करीब 1000 से अधिक इमरजेंसी ऑपरेशन तथा 400 से अधिक डीएचएस, डीसीएस, इंटरलॉक नेलिन (टीआईबीआईए. फ्यूमर, ह्यूमरस) के सर्जिकल ऑपरेशन सफलता पूर्वक किए। साथ ही 300 टीएचआर, 5 हजार नी-रिप्लेसमेंट तथा 60 से अधिक पुन: नी-रिप्लेसमेंट ट्रांसप्लांट ऑपरेशन एकल रूप से किए हैं। अकादमिक गतिविधियों में डॉ. सैनी निरंतर सक्रिय रहते हैं। इन्होंने वर्ष 2012 में 'कॉम्प्लेक्स नी ऑर्थोप्लास्टी' तथा 'रिवीजन हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट' पर आयोजित वर्कशॉप में भाग लिया। इन्होंने ओर्थोप्लासी सेशन इन ऑर्थोट्रेंड्स 2004 में नेशनल फैकल्ट्री के रूप में प्रतिनिधित्व कर 'टीकेआर इन पोस्ट ट्रियोमेटिक नी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। सेल्बी हॉस्पीटल में भी डीएनबी ऑर्थोपेडिक संकाय में भी सक्रिय हैं।

नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन एण्ड हनी बी नेटवर्क ने जेसीबी के मॉडल के आधार पर किया चमन का चयन,

चाय की दुकान पर काम करने वाले समाज के युवा का राष्ट्रपति के नव प्रवर्तन कार्यक्रम के लिए हुआ चयन

रैवासा। रैवासा के चमनप्रकाश सैनी की कहानी, परिस्थितियों से हार मान चुके किसी भी व्यक्ति के लिए प्रेरणा साबित हो सकती है। चमनप्रकाश कृष्णा देवी मोहनलाल काबरा सीनियर सैकंडरी स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ता है।

छह साल पहले पिता रामप्रसाद और चार साल पहले मां गीतादेवी चल बसी। बड़े भाई नाथूराम ने चाय की दुकान शुरू की तो चमनप्रकाश भी उसमें हाथ बंटाने लगा। शुरूआत से ही पढ़ाई में अव्वल चमनप्रकाश ने जेसीबी और पवन चक्की का मॉडल बनाया। इसके आधार पर चमनप्रकाश का राष्ट्रपति नवप्रवर्तन कार्यक्रम के लिए चयन किया गया हैं उसने सात मार्च को दिल्ली की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर राष्ट्रपति के सामने आइडिया पेश किया।

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश चलका ने बताया कि नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन एंड हनी बी नेटवर्क की और से ग्रामीण इलाकों की प्रतिभाओं को तराशा जा रहा है। हनी बी नेटवर्के गांव-गांव घूमकर प्रतिभाओं का चयन करता हैं नेटवर्क के चेयरपर्सन व आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफेसर अनिल गुप्ता ने जेसीबी मॉडल के आधार पर चमनप्रकाश का चयन किया।

छह मार्च को इन्हें दिल्ली के समस्याग्रस्त अलग-अलग इलाकों की विजिट करवाई गई तथा इसके समाधान के लिए एक-एक थीम दी गई। अगले दिन सात मार्च को इन समस्याओं के समाधान के लिए राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के सामने आइडिया पेश किया। छात्र इन समस्याओं के साथ अन्य आइडिया भी शेयर कर सकेंगे। अगर आइडिया सलेक्ट होता है तो संबंधित मॉडल बनाने के लिए बच्चों को फाउण्डेशन द्वारा पूरा खर्चा दिया जाएगा। दोनों भाई लकड़ी के खोखे में चलाते हैं दुकान, 12वीं तक पढ़ाई के लिए प्राचार्य ने लिया गोद। बड़े भाई नाथूराम ने पिता की मौत के बाद पढ़ाई छोड़ थी। वे महज 9वीं तक पढ़ा है। लेकिन वह छोटे भाई को हमेशा पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करता रहता है। नाथूराम ने बताया कि माता-पिता की मौत के बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। स्टैंड के पास लकड़ी के खोखे में चाय की दुकान शुरू की और दोनों भाई उसमें रहने लगे। चमनप्रकाश के जेसीबी मॉडल से प्रभावित होकर स्कूल प्राचार्य उमेंद्र सिंह खीचड़ ने गोद लेकर पढ़ाई का खर्च उठाया। खीचड़ ने बताया कि 12वीं तक की पढ़ाई में होने वाला पूरा खर्च वे उठाएंगे। **फाउण्डेशन के जरिए यूं होता है चयन :** फाउण्डेशन के चेयरमैन राष्ट्रपति होते हैं। फाउंडेशन से जुड़े लोग गांवों में छिपी प्रतिभाओं की तलाशा करते हैं। स्कूलों में आइडियाज कॉम्पीटिशन करवाते है। आइडिया पर मॉडल बनवाए जाते है। छात्र को इसका पूरा खर्चा भी देते हैं अगर उस बच्चे द्वारा बनाया गया मॉडल कॉम्पीटिशन में सक्सेस हो जाता है तो उस मॉडल का मिलने वाला पैकेज भी बचचे के नाम करवा देते है।

समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाएगें सामूहिक विवाह

सोजत। माली समाज सोजत सिटी व समाज सेवी भामाशाह सेठ श्री चुतरारामजी गहलोत मेहन्दी वाले के सयुकत तत्वाधान मे विशाल निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन दिनांक 09.05.2017 वैसाख सुदी 14 संवत् 2074 को होना तय हुआ है । विवाह योग्य वर वधू के रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तारीख 15 अप्रेल 2017 रखी गई है। शीघ्र ही अपना रजिस्ट्रेशन करा लेवे।

जोधपुर। जोधपुर में नर नारायण सेवा समिति, मण्डोर की ओर से द्वितीय सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन आगामी रविवार, 23 अप्रेल, 2017 को श्री अमृतलाल स्टेडियम, चैनपुरा स्कूल मण्डोर के प्रांगण में आयोजित होगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री मनोहर सिंह सांखला ने बताया कि प्रथम सामूहिक विवाह समारोह की भांति यह द्वितीय सामूहिक विवाह आयोजन पूर्ण वैदिक रीति-नीति, भव्य एवं सादगी पूर्ण संपन्न होगा। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपनी विवाह योग्य कन्या का विवाह समिति द्वारा आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह में करना चाहते है वें आवेदन समिति से संपर्क कर सकते हे।

आगर मालवा(म. प्रदेश)। फूल माली समाज सुसनेर द्वारा तेरहवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन 6 मई, 2017 को आयोजित किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष मगनलाल माली ने जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में रजिस्ट्रेशन हेतु 22 अप्रेल, 2017 अंतिम तिथि रखी गई है। सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है।

गंगापुर सिटी। माली सैनी समाज आदर्श सामूहिक विवाह सम्मलेन समिति के तत्वावधान में चतुर्थ सामूहिक विवाह 28 अप्रेल, 2017 को आयोजित किया जायेगा। संस्था के अध्यक्ष मनफूल सैनी ने बताया कि सम्मेलन मे रजिस्ट्रेशन के लिए 27 अप्रेल, 2017 अंतिम तिथि रखी गई है। इसके लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां प्रदान की गई है। समाज के सभी वर्ग इस सम्मेलन में भाग ले सम्मेलन को सफल बनाये।

भोपाल। सैनी माली समाज का 16वां आदर्श सामूहिक विवाह समारोह सम्मेलन 29 अप्रेल, 2017 को मध्य प्रदेश सैनी माली समाज भोपाल के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैयालाल सैनी ने बताया कि सम्मेलन में समाज के प्रबुद्व जन के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया जायेगा।

समाज की विधवा महिला की मदद को आगे आयें कई संगठन एवं समाज के प्रमुख दानदाता एवं समाजसेवी

जोधपुर। गांव बड़ा कोटेचा, तहसील -तिवंरी, जिला-जोधपुर में समाज की एक विधवा महिला लीला देवी जिसका झौंपड़ा गैस सिलेण्डर से जलकर राख हो गया था तथा यह महिला व इसकी दो बहनें व इसका बेटा भी आग से झुलस गये थे । इस महिला के बेटे की शादी सगाई के लिए रखे सोने चांदी के जेवरात व कपड़े आदि सबकुछ आग से जलकर राख हो गया।

जैसे ही इस दुखियारी पर आई विपदा का समाज बंधुओं को पता चला पूरे समाज से इसकी मदद के लिए सैंकड़ों हाथ उठे। माली समाज की एक जरूरत मंद विधवा महिला जो एक अग्निकांड में अपना सबकुछ गवां चुकी थी उसकी मदद हेतु हमारे समाज के सभ्रांत वर्ग ने जो अनुकरणीय पहल की है उसके लिए संपूर्ण समाज ऐसे दानदाताओं का आभारी है जिन्होंने अल्प समय में विधवा महिला की मदद हेतु दिल खोलकर आर्थिक मदद की। नि: संदेह यह हमारे समाज का एक बेहद उजला पक्ष है जिससे पता चलता है कि माली समाज अब एकजुट है व सकारात्मक रूप से अपने समाज बंधुओं की मदद करने हेतु सदा तत्पर रहता है व सबको साथ लेकर चलने का जज्बा रखता है।

अग्निकांड में बर्बाद हो चुकी विधवा महिला की मदद करने वाले समाज रत्नों की सूची निम्नलिखित है :

1. गांववासियों की और से (विशेष सहयोग संत लिखमीदास जी युवा वाहिनी)	1,17,000/-
2. अखिल भारतीय माली सेवा सदन, पुष्कर	21,000/-
3. सालावास माली समाज, जोधपुर	12,500/-
4. अखिल भारतीय माली समाज, जोधपुर भवन, हरिद्वार	11,000/-
5. बिल्डर श्री नरपतसिंह सांखला, जोधपुर	11,000/-
6. श्री सेवाराम दग्दी, प्रदेशाध्यक्ष, अखिल भारतीय सैनी सेवा समाज	5,100/-
7. श्री धन्नाराम गहलोत, सिलवासा	5,100/-
8. श्री त्रिलोक इन्दौरा, अजमेर	5,100/-
9. श्री सम्पतराज गहलोत, सालावास	3,500/-
10. श्री भगवान सिंह सांखला, तिवरी	2,100/-
11. श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़	2,100/-
12. श्री धर्माराम गणपतलाल पंवार, बलाड़ा, जैतारण (पाली) वर्तमान-श्री जगदम्बा मार्बल एण्ड ग्रेनाइट सप्लायर्स, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	2,100/-
13. श्री अशोक गहलोत (बी. एण्ड जी कन्सट्रक्सन कं. बनाड़ गंगाणी वाले), जोधपुर	2,100/-
14. श्री गोपाल सहाय जी सैनी, जयपुर	1,500/-
15. श्री दिलीप गहलोत (बालोतरा), अहमदाबाद	1,500/-
16. श्री चौनारामजी टाक, बुचकलां	1,100/-
17. श्री दुर्गालाल जी मारोठिया, पुष्कर	1,100/-
18. श्री विप्लव जी टाक, सोजतसिटी	1,100/-
19. श्री महेन्द्र जी शास्त्री, बगड़ (झुंझुनूं)	1,100/-
20. श्री बसंत सैनी, नगरपालिका आयुक्त	1,100/-
21. श्री अशोक तंवर, एक्स ई एन, अजमेर	1,100/-
22. समस्त नवयुवक मंडल, पुष्कर	1,100/-
23. श्री गोरीशंकरजी सैनी (सीकरवाले), इटली	1,100/-
24. श्री जयसिंह गहलोत, सालावास, जोधपुर	1,100/-
25. अन्य सहयोगकर्ता	3,800/-

मैं उपरोक्तसभी समाज रत्नों व संत लिखमीदासजी युवा वाहिनी का हार्दिक आभार एवं मंगल कामना करता हूं।

आपका शुभेच्छ :
ऊँकारराम कच्छावाहा
चेयरमैन (राजस्थान प्रदेश माली महासभा)

समाज गौरव युवा वैज्ञानिक नरेन्द्र सैनी का भाभा रिसर्च इंस्टीट्यूट चयन ऑल इंडिया लेवल पर 7वीं रैंक' प्राप्त कर युवा वैज्ञानिक ने किया गौरवान्वित

सीकर। नरेन्द्र सैनी ने भाभा इंस्टीट्यूट अश्वफ न्यूक्लियर सांइसेस, मुम्बई द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में अश्वल इंडिया लेवर पर 7वीं रैंक हासिल की है। नरेन्द्र ने ये सफलता लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद हासिल की है। इस चयन के बाद नरेन्द्र सैनी को इंडियन इंस्टिट्यूट अश्वफ सांइस बंगलौर में बी. टैक कोर्स में प्रवेश मिलेगा। नरेन्द्र मूलत: नवलगढ़, झुंझुनूं का रहने वाला है।

नरेन्द्र के पिता श्री सुरेश कुमार सैनी नारकोटिक्स विभाग, जयपुर में डीएसपी के पद पर सेवारत है। छात्र ने पालवास रोड़ सीकर स्थित आईटी जेई एवं नीट कोचिग संस्था के छात्र थे। इस चयन की सूचना मिलते ही विद्यालय परिवार ने नरेन्द्र सैनी का भव्य सम्मान किया और उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। इस अवसर पर श्री कमलेश सैनी, काश्यीराज सैनी श्री भगवान राम सैनी सहित अनेकों समाज बंधु एवं गणमान्य व्यक्तियों ने श्री नरेन्द्र सैनी का मनोबल बढ़ाया। माली सैनी संदेश परिवार समाज गौरव श्री नरेन्द्र सैनी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वलतम भविष्य की मंगल कामना करते है।

कार्यकारिणी का विस्तार

शिवगंज। फुले ब्रिगेड की सोमवार को हुई बैठक में कार्यक्रमों पर चर्चा कर कार्यकारिणी का गठन किया गया। गोकुलवाडी स्थित समाज भवन में बैठक का आयोजन रखा गया। तहसील अध्यक्ष श्री भरतकुमार चौहान ने युवाओं को समाज विकास व बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आगे आने का आव्हान किया। कार्यकारिणी में अशोक सोलंकी को उपाध्यक्ष, अरूण गहलोत को कोषाध्यक्ष, श्रवण गहलोत को महासचिव, जितेन्द्र परिहार व ओमप्रकाश गहलोत को सचिव, सुरेश परिहार को विधि सचिव, प्रवीण परिहार को मीडिया प्रभारी सुरेश गहलोत को प्रवक्ता, कानाराम सोलंकी, मदन परिहार, मनोज चौहान को जनकल्याण प्रमुख, ओमप्रकाश कच्छवाहा व नरेन्द्र परिहार को जनसंपर्क प्रमुख एवं विजयराज सोलंकी को सलाहकार मनोनित किया गया। भरतकुमार चौहान ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम समाज के युवाओं के सहयोग से आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं अन्य आयोजन में अन्य सभी संस्थाओं के सहयोग से उत्कृष्ठ कार्य कर समाज को गौरवान्वित करेगें।

महात्मा ज्योतिबा फुले सेवा संस्थान के गोविंद नारायण अध्यक्ष : दौसा। महात्मा ज्योति बा फुले सेवा संस्थान एवं सैनी समाज के चुनाव के लिए कालूराम पटेल की अध्यक्षता में बैठक ओंकारेश्वर मंदिर में हुई। निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सैनी की देखरेख में हुए चुनाव में संस्थान के अध्यक्ष पद पर गोविंद नारायण सैनी व सैनी समाज के अध्यक्ष पद पर शंकरलाल सैनी को निर्विरोध चुना गया। ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर मोहनलाल सैनी का निर्वाचित किया गया। 11 अप्रेल को महात्मा फुले जयंति समारोह मनाने का निर्णय लिया गया।

हार्दिक बधाई

समाज के कृषक श्री मदनलाल राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित

समाज गौरव श्री मदनलाल देवड़ा को राष्ट्र स्तर पर माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से कृषि के क्षेत्र में अविश्वसनीय कार्य करते हुए उत्कृष्ठ कृषक अवार्ड से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाये। श्री मदनलाल देवड़ा को स्मृति चिन्ह के साथ ही एक लाख रूपये का चेक देकर सम्मानित किया है। श्री देवड़ा ने सबसे लंबी गाजर (ढ़ाई से 3 फीट लंबी गाजर) का जैविक पद्धति से उत्पादन कर ये मंजिल हासिल की देवड़ा ने खेती में पहले भी कई कीर्तिमान स्थापित कर समाज को गौरवान्वित किया है।

समाज के युवा वर्ग जो खेती से दूर हो रहे है उन्हे मदनलाल जी से प्रेरणा लेनी चाहिए। माली सैनी संदेश परिवार मदनलाल जी के दीर्घायु होने की मंगल कामना करता है।

समाज की होनहार बेटी ने बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे पेश की मिशाल

दिनांक 14 मार्च 2017 को रतनपुरी माली समाज रतलाम द्वारा उस बेटी का सम्मान किया गया जिसने माता सावित्रीबाई फुले के सपनों को साकार करने का सपना देखा है बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देकर माली समाज का नाम रोशन किया है समाज की युवा बेटी खुशी राम माली का सम्मान माला पहनाकर रतनपुरी माली समाज के वरिष्ठ मांगीलाल जी माली एवं समिति अध्यक्ष सत्यनारायण जी माली के द्वारा किया गया साथ ही महिला मित्र मंडल ने माला पहना कर सम्मान किया महिला सदस्य श्रीमती सुनीता माली ख्याति माली जागृति माली सरोज माली सपना माली अन्नू माली अनीता मलिक एवं समिति सदस्य सत्यनारायण माली लोकेश माली दिनेश माली पवन माली रवि माली सरवन माली आनंद माली धर्मेंद्र माली सभी समिति सदस्य उपस्थित रहे।

माली सैनी संदेश परिवार होनहार बेटी का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता है।

आमेर की बेटी ने किया नाम रोशन
अध्यापक की बेटी बनेगी डाक्टर

आमेर। मेंहदी बास निवासी राजेन्द्र कुमार सैनी की पुत्री आकांक्षा सैनी ने एमबीबीएस फाइनल में 67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। आकांक्षा ने मेडिकल कॉलेज झालावाड़ से राजकीय सीट पर अध्यन कर एमबीबीएस किया। सैनी ने बताया कि वह रोजाना 8 घंटे पढ़ाई करती थी। इसमें लागातार आगे बढ़ने के लिए आकांक्षा ने अपने माता-पिता को श्रेय दिया। आकांक्षा की माता मंजू सैनी गृहणी है तथा पिता श्री राजेन्द्र कुमार सैनी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंडा में अध्यापक पद पर कार्यरत है।

आकांक्षा अब 9 महीने के लिए मेडिकल कालेज झालावाड़ में इंटरशिप कर रही है। आकांक्षा की इस उपलब्धि पर समाज की अनेकों संगठनों के पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। आकांक्षा ने बताया कि वह डॉक्टर बनकर गरीब व असहाय लोगों की सेवा करना चाहती है।

समाज गौरव श्री महेन्द्र प्रताप भाटी पुत्र पुखराज भाटी के वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश पद पर पदोन्नत होने पर हार्दिक बधाई अभिनंदन।

बार एसोशियशन, रामपुर के चुनाव में सचिव पद हेतु श्री रामअवतार सिंह सैनी जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ...

श्रीमती ललिता संजीव महरवाल (अधिवक्ता) जयपुर, राज. प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव मनोनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

11 अप्रेल, 2017 190 वीं जयंति के उपल्यक्ष में

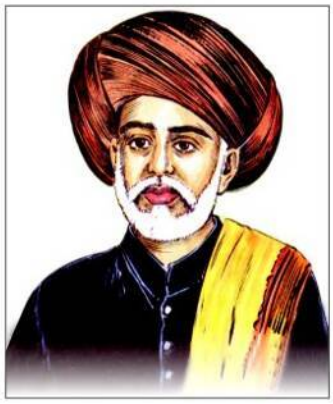

धर्मयुग से तर्कयुग के युग पुरुष महात्मा ज्योति बा फुले

खासकर भारत के मानव समाज को समझना होगा कि लगभग 3500 वर्षो की धर्म युगीन परम्पराओं से निकालकर तर्कयुग का मार्ग प्रषस्त करने वाले सामाजिक क्रांति के जनक महात्माा जोतीराव फुले का जन्म 11 अप्रेल 1827 को पूना के माली गोविन्दराव के यहाँ हुआ। उन्होंने बड़े होकर प्रचलित समाज व्यवस्था के विरूद्ध बगावत कर धर्मयुग से तर्कयुग की नींव रखी और मानव की गुलामी दूर करने हेतु शिक्षा का अधिकार दिलाया। उन्होंने अनेक चुनौतियों का सामना करते हुऐ मानवाधिकार की स्थापना की।

महात्मा फुले प्रथम महापुरूष थे जिन्होंने हजारो वर्षो से चली आई धार्मिक तानाशाही को चुनोती देकर उसके अस्थि पंजर ढीले कर दिये। स्त्री-पुरूष को समानता से जीना सिखाया, स्वतंत्रता और बंधुता का लाभ दिलाने के लिये संघर्ष किया। जोतीराव ने समाज की प्रगति में अवरोधक रूढ़ियों को तोड़कर हिन्दु धर्म को विकासोन्मुखी किया वे मनुवादी वर्णों की जंजीर को तोड़कर धर्म, पंथो, संप्रदायों के संकीर्ण दायरों से निकालकर धार्मिक एवं आर्थिक गुलामी की जड़ों को उखाड़ फेकना चाहते है। फुले बहुआगामी व्यक्तित्व के धनी थे, उन्होंने सभी धर्मग्रन्थों का बारीकि से अध्ययन किया। उन्होंने अमरीका के बागी लेखक टॉमस पेन की (राइट्स ऑफ मैन) ''मनुश्य के अधिकार'' (दि एज ऑफ रिजन) ''तर्कयुग'' (रिलिजन ऑफ ह्युमैनिटी) ''मानवता धर्म'' (जस्टीस एन्ड ह्युमैनिटी) ''न्याय तथा मानवता'' का अध्ययन किया। शिवाजी महाराज, बुकर टी. वाशिंगटन और मॉर्टिन ल्यूथर की जीवनियों से प्रेरणा ली। भगवान बुद्ध, तीर्थकर, रामानुज, रामानंद, बसवेश्वर, गुरूनानक, कबीर, दादू का साहित्य पढ़ा। संत तुकाराम की गाथा, ज्ञानेश्वरी, भागवत, धर्म ग्रंथ, प्रों. बिल्सन, सर विलियम जोन्स आदि की हिन्दू धर्म पर लिखी अंग्रेजी कृतियों का अध्यन किया। वे तत्कालीन समय की कक्षा 7 वीं उत्तीर्ण थे।

जोतीराव का प्रमुख लक्ष्य था, पुरातन काल से दो वर्ग हमेषा पिछड़े तथा शोषण का षिकार होते रहे है (1) नारी वर्ग (2) अछूत वर्ग (दलित वर्ग) को सभी मानवीय अधिकार दिलाकर समता से जीवन यापन कराना।

मानवता की सच्ची सेवा करने हेतु फुले ने प्रमुख कार्य किये :

(1) उन्होने सन् 1848 में पहली कन्याशाला खोली और सन् 1851 में अछूतों के लिए पहली पाठशाला खोली।
(2) उन्होने हिन्दू धर्म के शूद्रों तथा अतिशूद्रों के कश्टों तथा दुखों और यातनाओं को अभिव्यक्ति दी।
(3) अपना कुँआ अछूतों के लिए खोल दिया।
(4) विधवा-विवाह का समर्थन कर सन् 1864 में विधवा विवाह संपन्न कराया।
(5) विधवाओं के अवैध बच्चों के लालन-पालन के लिए सन् 1863 में बाल हत्या प्रतिबंधक गृह खोला।
(6) विधवाओं की गुप्त तथा सुरक्षित प्रसूति के लिए प्रसूतिगृह खोला और उस प्रसूतिगृह में जन्मे काषीबाई नामक विधवा के बच्चे को गोद लिया।
(7) ब्राह्मण विधवाओं के मुंडन (केश वपन) को रोकने के लिए नाइयों को संगठित किया।
(8) बाल-विवाह का विरोध किया।
(9) धर्म मूलक विशमता का उन्मूलन करने के उद्देष्य से सन् 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की नींव डाली।
(10) शादी-ब्याह में, समझ में न आने वाले संस्कृत मंत्रों के बदले मराठी में सर्वबोधगम्य मंगल मंत्र बनाये और उनका प्रचार किया।
(11) रायगढ़ स्थित शिवाजी महाराज की समाधि खोजकर उसे सुचारू रूप दिया।
(12) सन् 1879 में बम्बई में मिल मजदूरों का पहला संगठन बनाया और मजदूर आंदोलन में श्री नारायण मेघाजी लोखंडे नामक अपने साथी की विशेष रूप से सहायता की।
(13) जमींदारों के जुल्मों से पीड़ित किसानों की मदद की।
(14) किसानों की दुर्दशा की ओर ड्यूक ऑफ कनाट तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ध्यान दिलाया।
(15) ग्रंथ लिखकर शूद्रों तथा अतिशूद्रों में जागृति की और उन्हें वरिष्ठ वर्गों की मानसिक दासता से मुक्त करने का प्रयास किया।
(16) अपनी पत्नी को घर पर पढ़ा लिखाकर उसे अध्यापिका बनने योग्य बनाया जिससे वह पहली भारतीय अध्यापिका बनी।
(17) इसी प्रकार मानव उत्थान के समतामूलक जीवन के अनेक कार्य किये।

जिन सिद्धांतों से आज भी विश्व में उथल पुथल मची हुई है वे यूरोप के महान क्रांतिकारी कार्ल मार्क्स (1818 से 1883) जो जोतीराव (1827 से 1890) के समकालीन थे, दोनों का एक ही उद्देश्य था, शोषितों तथा पीड़ितों को शोषण तथा ठगी से मुक्ति करना और अज्ञान तथा अन्याय को हमेशा के लिये दफना देना। जोतीराव ने अज्ञान का कारावास तोड़ डाला। विश्व का ज्ञान भण्डार सब के लिये खोल दिया और निरर्थक अंधविश्वास को चुनौती देकर हिन्दू धर्म में क्रांति कर दी, पहली बार समग्र क्रांति का शंख फूँका और गाँव-गाँव, घर-घर पर्वत घाटी से समानता की वायु बहने लगी। इस लिये कार्ल मार्क्स महात्मा है तो जोतीराव महात्माओं के महात्मा है।

महात्मा फुले ने मानव को धर्म युग से तर्कयुग के सिद्धांतो एवं लक्ष्यों को वैज्ञानिक आधारों पर स्थापित किया एवं प्रकृति द्वारा प्रदत्त सभी संसाधनो को प्रत्येक मानव को समान रूप से प्राप्त करने के अवसर दिलाने का मार्ग प्रशस्त कर भारत के ही नहीं विश्व के शोषित, पीड़ित जनो के लिये नये युग में पदार्पण कराने की दिशा प्रदान की।

महात्मा गाँधी को भी यरवड़ा जेल में 1932 में जब जोतीराव के युगांतकारी कार्यो की जानकारी मिली तब उन्होंने कहा था ''जोतीराव वास्तव में महात्मा है।''

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर ने महात्मा जोतीराव फुले की जीवनी उनके कार्य एवं साहित्य से शिक्षा लेकर उन्हें अपना असली ''गुरू'' माना था।

भारत सरकार ने महात्मा जोतीराव फुले की स्मृति में डाक टिकिट जारी किया।

हम फुले दम्पत्ति को इसी कारण ''भारत रत्न'' दिये जाने हेतु सरकार से अनुरोध करते है।

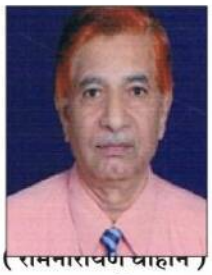

(रामनारायण चौहान)
महासचिव
महात्मा फुले सामाजिक

सरकार द्वारा जारी
महात्मा फुले पर
डाक टिकट

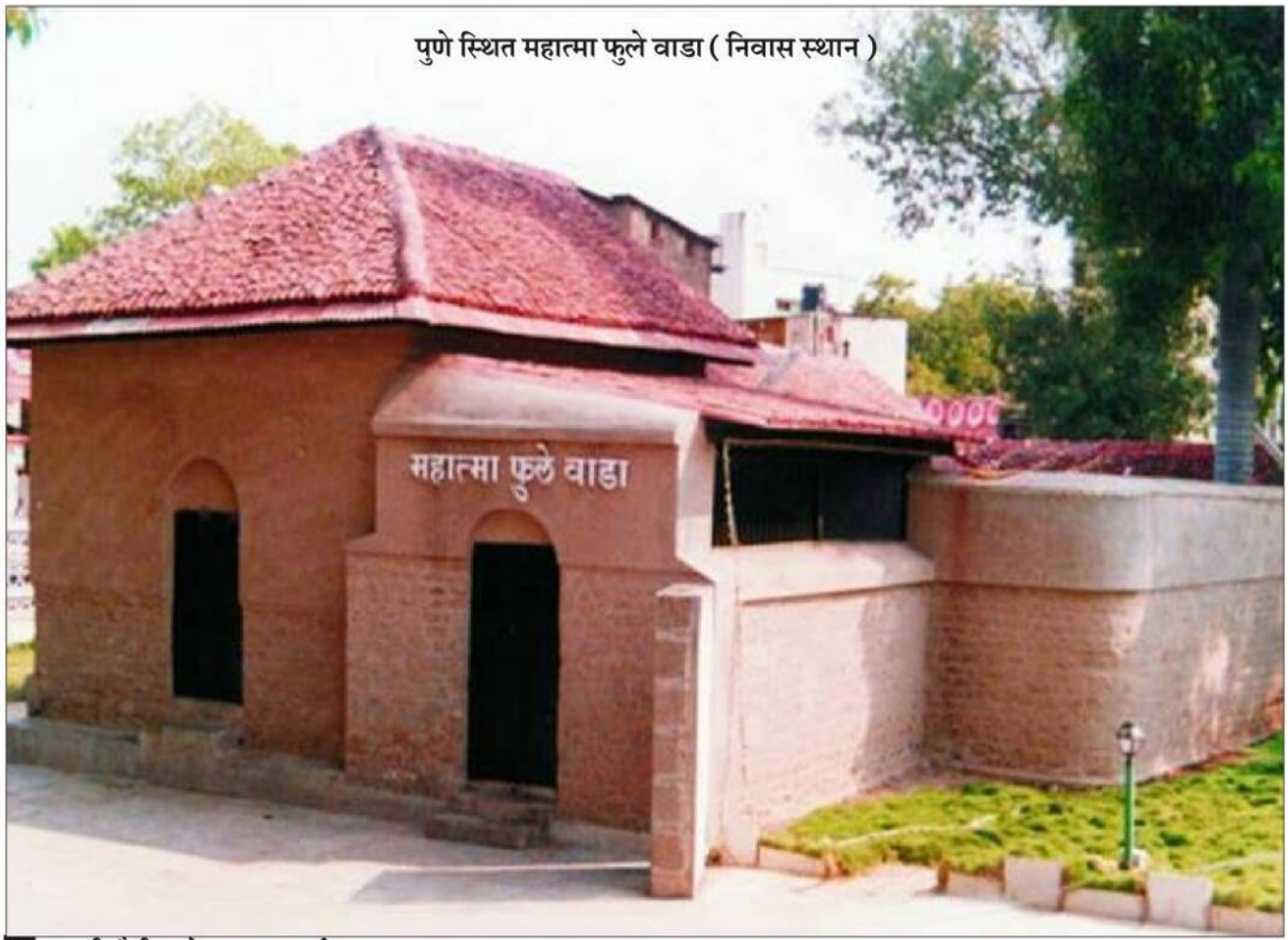

पुणे स्थित महात्मा फुले वाडा (निवास स्थान)

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.स. सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौ. चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल(ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान,
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर

माली सैनी सन्देश

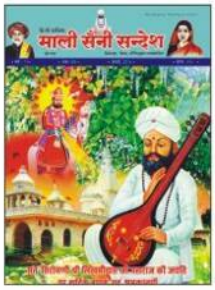

घर बैठे माली सैनी सदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 8 वषो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जार रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब-साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई-पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है। हमारी वेब साईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है। एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई- पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के सभी अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। **आप हमें Paytm से मोबाइल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज सकते है**

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए
डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 400/-	पांच वर्ष रु. 900/-	आजीवन रु. 3100/-

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन./मोबाईल _____ ई-मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अत: मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

माली सैनी संदेश पोस्ट बॉक्स नं. 9, जोधपुर

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org E-mail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 9828247868
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरपुरा, जोधपुर

जोधपुर में आयोजित नैनी बाई का मायरों आयोजन की झलकियां

हार्दिक बधाई

श्री राकेश परिहार

(सुपुत्र श्री मेघाराम परिहार)

के जोधपुर फल सब्जी मण्डी के डायरेक्टर पद पर विजयी होने पर माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं मंगलमयी शुभकामनाऐं।

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

Your Personal Home Maker

Bed Sheets | Blankets | Towel | Napkins | Dohar | Quilt | Jaipuri Rajai | Pillow | Curtains | Roller Blinds | Shawls | Sofa Fabrics | Matress | Cushions | Wallpapers | Wooden Flooring | PVC Flooring

Vineet Gehlot

shrigehlothandloom@gmail.com

श्री GEHLOT HANDLOOM

EXCLUSIVE SHOWROOM OF FURNISHING

PARKING FACILITY AVAILABLE

130 NAI SARAK JODHPUR 342 001 | M.: +91 773 710 0198

स्वत्वाधिकारी संपादक/मालिक/प्रकाशक/मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर -7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित।
फोन : 94144 75464, हेल्प लाईन : 9828247868
ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR